नवभारत
भोपाल, मंगलवार 24 मार्च, 2026

एक नजर में

डेढ़ किमी का रास्ता बना राहगीरों के लिए मुसीबत

गुना। विकास के दावों के बीच बमोरी तहसील के ग्राम पंचायत रामपुर से चीम होते हुए गुना जाने वाला मार्ग पिछले 7-8 वर्षों से अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। महज डेढ़ किलोमीटर का यह छोटा सा टुकड़ा दो दर्जन से अधिक गांवों के हजारों लोगों के लिए जी का जंजाल बन गया है। ग्रामीणों और किसानों ने बताया कि यह रास्ता गुना जिला मुख्यालय और कृषि उपज मंडी जाने के लिए सबसे छोटा मार्ग है। रामपुर, फतेहगढ़, सेन बोर्ड, मथुरा लाल चक कॉलोनी, डुमेला, पचौर, शिकारपुरा और शीलावती सहित कई गांवों के किसान इसी रास्ते से अपनी उपज लेकर मंडी जाते हैं। रास्ते की खराब हालत के कारण कई बार अनाज से भरी ट्रैक्टर-ट्रालियां पलट चुकी हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। सरपंच राकेश सहरिया ने जानकारी दी कि उन्होंने इस सड़क के निर्माण के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को प्रस्ताव भेजा था। वहां से सकारात्मक जवाब भी आया और केंद्रीय मंत्रालय ने जिला कलेक्टर को इस संबंध में पत्र भी जारी किया है। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर सड़क निर्माण की दिशा में आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन ने नदी पर बड़ा पुल तो बनवा दिया, लेकिन उससे जुड़ी सड़क को यथावत छोड़ दिया गया है। ईई कोमल सिंह उईके ने अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि रामपुर-चीम मार्ग हमारे विभाग में है या नहीं, यह ऑफिस पहुंचकर फाइल देखने के बाद ही बता पाएंगे। सड़क निर्माण की मांग को लेकर सरपंच राकेश सहरिया, सुरेश सहरिया, बृजमोहन, हरनाम सिंह, तूफान सिंह, कैलाश, बृज बल्लभ, रामदयाल, नरेश, रामस्वरूप और हरि सिंह सहित अन्य ग्रामीणों ने चेतावनी दी है।

गुना में डिजिटल पहरा : सोशल मीडिया पर 'भड़काऊ' पोस्ट की तो खैर नहीं!

दो महीने में दूसरी बार प्रशासन ने कसी नकेल, नोटकांड को लेकर अफवाह भी बड़ी वजह

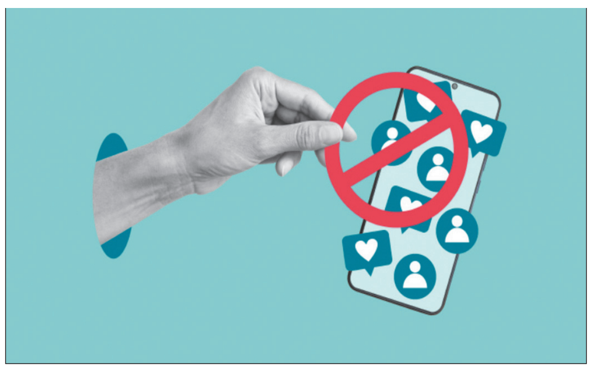

नवभारत न्यूज

गुना 23 मार्च का। जिले को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए प्रशासन ने एक बार फिर 'इंटरनेट के शोर' पर लगाम कस दी है। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट किशोर कुमार कन्याल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सख्त प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। दिलचस्प बात यह है कि बीते दो महीनों में यह लगातार दूसरी बार है जब गुना प्रशासन को सोशल मीडिया पोस्ट पर इस तरह की सख्त निगरानी और पाबंदी लागू करनी पड़ी है।

सूत्रों की मानें तो हालिया 'नोटकांड' जैसे बड़े स्थानीय मुद्दों और वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों (जैसे इजराइल-ईरान तनाव) के चलते जिले में साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने की आशंका बनी हुई है। पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन के आधार पर यह माना गया कि असामाजिक तत्व भ्रामक वीडियो, ऑडियो या फोटो के जरिए समाज में द्वेष फैला सकते हैं।

इसी 'डिजिटल जहर' को रोकने के लिए प्रशासन ने 15 मई 2026 तक के लिए यह सुरक्षा कवच तैयार किया है।

बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों की आड़ में स्थानीय स्तर पर होने वाली हलचल जैसे नोटकांड और मुर्दाघर में कथित रूप से जिंदा व्यक्ति को भेजने जैसे मामलों की चर्चा शांत करने के लिए भी यह कदम प्रशासन के लिए कारगर सिद्ध होगा। इन दोनों ही मामलों की पिछले कुछ दिनों से गुना जिले में चर्चा है। खासकर, सोशल मीडिया पर दोनों ही मुद्दे इन दिनों ट्रेंड में चल रहे हैं।

उल्लंघन पर सीधे जेल की तैयारी

प्रशासन ने साफ कर दिया है कि इन नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 सहित अन्य कठोर धाराओं में मामला दर्ज किया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो चुका है और आगामी 15 मई 2026 तक प्रभावी रहेगा।

प्रशासन ने अपील की है कि किसी भी संदिग्ध या भड़काऊ संदेश की जानकारी तुरंत नजदीकी थाने या साइबर सेल को दें। अपनी उंगलियों का इस्तेमाल 'इंकलाब' के लिए नहीं, बल्कि 'अमन' के लिए करें।

सिर्फ पोस्ट नहीं, 'लाइक-कमेंट' पर भी नजर

जारी आदेश के अनुसार, फेसबुक, व्हाट्सएप, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर केवल भड़काऊ पोस्ट डालना ही अपराध नहीं होगा, बल्कि ऐसी सामग्री को लाइक, कमेंट, शेयर या फॉरवर्ड करना भी कानून जुर्म माना जाएगा। व्हाट्सएप ग्रुप के संचालकों (एडमिन्स) को विशेष रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है। अगर ग्रुप में कोई भी आपत्तिजनक सामग्री आती है, तो एडमिन को उसे तुरंत रोकना होगा, वरना उन पर भी गाज गिर सकती है।

कैंट क्षेत्र में दबिश, सिलेंडर और रिफिलिंग उपकरण जब्त

नवभारत न्यूज

गुना। जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने और आम जनता को इनकी सुलभ उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के निर्देशन में जिला प्रशासन ने सख्त अभियान छेड़ दिया है। इसी कड़ी में सोमवार को खाद्य विभाग की टीम ने शहर के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर सघन छापामार कार्रवाई की, जिससे हड़कंप मच गया।

जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश पांडेय के मार्गदर्शन एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आशिष चतुर्वेदी के नेतृत्व में टीम ने कैंट क्षेत्र स्थित राजकुमार खटीक की दुकान पर दबिश दी। यहाँ घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग और अवैध रिफिलिंग की पुष्टि होने पर टीम ने मौके से 2 घरेलू गैस सिलेंडर और एक रिफिलिंग उपकरण जब्त किया है। आरोपी के विरुद्ध नियम अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। जांच दल ने केवल कैंट ही नहीं, बल्कि शहर के विभिन्न हिस्सों जैसे लक्ष्मीगंज, हाट रोड और बूढ़े बालाजी क्षेत्र में स्थित हलवाई और मिष्ठान भंडारों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान सागर मिष्ठान भंडार, भल्ला किराना, सरदार गैस रिपेयरिंग, साउथ इंडियन अन्ना डोसा, न्यू एटूजेड रिपेयरिंग, राजपूत गैस रिपेयरिंग और जैन वेलकम होटल सहित अन्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच की गई।

गुना के दो परिवारों ने नेत्रदान कर पेश की मानवता की मिसाल

नवभारत न्यूज

गुना। शहर में दो सामाजिक परिवारों द्वारा एक ऐसी हृदयस्पर्शी और प्रेरणादायक पहल देखने को मिली है, जिसने शोक की घड़ी को निस्वार्थ मानव सेवा में बदल दिया। बंसल परिवार की मनोरमा बंसल अश्विनी-प्रीति बंसल की माताजी एवं लायन जेसी अतुल अग्रवाल की चाची और राठी परिवार की आशा राठी परमानंद राठी की धर्मपत्नी और जेसी आयुष-सृष्टि राठी की माताजी) के दुखद निधन के उपरांत, दोनों परिवारों ने समाजहित में उनके नेत्रदान का साहसिक निर्णय लिया है। यह पुनीत कार्य लायंस नेत्र चिकित्सालय गुना के विशेष सहयोग और जेसीआई इंडिया जोन-6 के 'ब्लिंक भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। नेत्रदान की सूचना लायन जेसी अतुल अग्रवाल एवं महेंद्र महेश्वरी के माध्यम से लायन नेत्र चिकित्सालय गुना के चेयरमैन आलोक अग्रवाल को प्राप्त हुई, जिन्होंने संवेदनशीलता दिखाते हुए तुरंत अपनी मेडिकल टीम को भेजा। इस टीम में शामिल पूजा राजपूत, ईश्वरी जादौन और कमल ने मौके पर पहुंचकर नेत्रदान की प्रक्रिया को पूर्ण कराया। परिजनों के इस परोपकारी निर्णय के फलस्वरूप प्राप्त हुए इन नेत्रों से अब चार दृष्टिहीन व्यक्तियों के जीवन में नई रोशनी लौट सकेगी। शोक के इन क्षणों में मानवता की सेवा का मार्ग चुनकर बंसल और राठी परिवार ने पूरे समाज के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण पेश किया है। इस साहसिक कदम की शहर भर में सराहना की जा रही है, क्योंकि इसने यह संदेश दिया है कि मृत्यु के पश्चात भी हम किसी के जीवन का उजियारा बन सकते हैं। यह पहल न केवल जरूरतमंदों को नई दृष्टि प्रदान करेगी, बल्कि नेत्रदान के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में भी मील का पत्थर साबित होगी।

जनगणना फील्ड ट्रेनर्स को दिया जाएगा विशेष प्रशिक्षण

गुना। आगामी जनगणना 2027 के प्रथम चरण की प्रारंभिक तैयारियों ने अब गति पकड़ ली है, जिसके तहत मकानसूचीकरण और मकानों की गणना के महत्वपूर्ण कार्य को सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जिले में फील्ड ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यह प्रशिक्षण उत्कृष्ट उ. मा. वि. क्र. 01 में आयोजित होगा, जिसमें प्रथम बैच को 24 मार्च से 26 मार्च तक और द्वितीय बैच को 30 मार्च, 01 अप्रैल व 02 अप्रैल 2026 तक प्रशिक्षित किया जाएगा। जिला जनगणना प्रभारी मनोज कनाड़े और मास्टर ट्रेनर विकास पित्रे द्वारा दिए जाने वाले इस प्रशिक्षण में मकानों की नंबरिंग, लिस्टिंग और डेटा संकलन की तकनीकी बारीकियों से अवगत कराया जाएगा।

भगत सिंह तुम जिंदा हो लहू के हर कतरे में...

गुना। शहीद-ए-आजम भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहादत दिवस के उपलक्ष्य में 'भगत सिंह यादगार मंच' द्वारा शहर में गरिमामयी प्रभात फेरी निकाली गई। देशभक्ति के गीतों और इंकलाबी नारों के साथ निकली प्रभातफेरी ने जन-जन तक शहीदों के विचारों को पहुँचाने का संदेश दिया। प्रभात फेरी का शुभारंभ निचला बाजार से हुआ। इस अवसर पर एडवोकेट विनय जैन ने कहा कि मंच हर वर्ष की तरह इस बार भी भगत सिंह के क्रांतिकारी विचारों को समाज के बीच ले जाने का प्रयास कर रहा है। साथियों के हाथों में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव की तस्वीरें थीं, जिन पर उनके प्रेरक विचार अंकित थे। भगत सिंह चौक पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मंच के संयोजक राकेश मिश्रा और नरेंद्र भदोरिया ने कहा कि भगत सिंह के अनुसार पिस्तौल और बम इंकलाब नहीं लाते, बल्कि इंकलाब की तलवार विचारों की सान पर तेज होती है।

जिला अस्पताल में अब मात्र 10 रुपये में भोजन ले सकेंगे अटेंडर

गुना। जिला चिकित्सालय में उपचार करा रहे मरीजों के परिजनों के लिए 'कामधेनु मिशन' ने बेहद राहत भरी पहल शुरू की है। रविवार को जिला अस्पताल परिसर में कामधेनु मिशन गुना द्वारा मात्र 10 रुपए के मामूली शुल्क पर सायंकालीन भोजन व्यवस्था का शुभारंभ किया है।
भोजन वितरण केंद्र का उद्घाटन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजकुमार ऋषीश्वर और व्यापार एवं उद्योग महासंघ के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया। कामधेनु मिशन ने जिला अस्पताल के मेटरनिटी हॉल के पास अपना वितरण केंद्र बनाया है। यहां टोकन के माध्यम से मरीजों के परिजनों को 10 रुपए में 8 पूड़ी और सब्जी उपलब्ध कराई जाएगी। इस व्यवस्था का लाभ लेने के लिए मरीजों के अटेंडरों को दोपहर 12 बजे से 1 बजे तक टोकने लेने होंगे। भोजन की गुणवत्ता बरकरार रखने के लिए मिशन द्वारा दोपहर 2.30 बजे के भोजन बनाने की प्रक्रिया शुरु होगी और शाम के समय टोकन के आधार पर भोजन वितरित किया जाएगा। कामधेनु मिशन की खास बात यह है कि यह पूरी तरह महिलाओं का संगठन है, जिसमें सभी समाजों की महिलाएं शामिल हैं। इस सेवा पर होने वाला पूरा खर्च मिशन की सदस्य महिलाएं आपसी सहयोग से वहन करेंगी। इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि अस्पताल में आने वाले गरीब परिजनों के लिए यह व्यवस्था संजीवनी साबित होगी। भोजन की गुणवत्ता की समय-समय पर जांच की जाएगी ताकि नियमों और स्वच्छता का पालन सुनिश्चित हो सके।

आंगनबाड़ी केंद्रों पर गूंजेगी नन्हे-मुन्नों की किलकारी

गुना। जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों में छोटे बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके सर्वांगीण विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से 24 मार्च 2026 से 'विद्यारंभ कार्यक्रम' का भव्य शुभारंभ होने जा रहा है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के केंद्रों पर विविध रचनात्मक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आंगनबाड़ी केंद्रों को किशोरी बालिकाओं, सहायिकाओं और स्वयं बच्चों के सहयोग से रंगोली, पोस्टर और गुब्बारों से आकर्षक रूप से सजाया गया है।

दशहरा मैदान तक लगी ट्रैक्टरों की कतारें, किसान परेशान

नवभारत न्यूज

गुना। रबी सीजन की मुख्य फसल गेहूं की आवक इन दिनों अपने चरम पर है। नानाखेड़ी कृषि उपज मंडी में जगह कम पड़ने के कारण प्रशासन ने दशहरा मैदान को वैकल्पिक मंडी के रूप में उपयोग करना शुरू कर दिया है। शुक्रवार और शनिवार से ही किसान अपनी ट्रैक्टर-ट्रालियां लेकर दशहरा मैदान में जमा हैं, लेकिन सोमवार को हुई डाक नीलामी के दौरान अव्यवस्थाओं और समय की कमी को लेकर किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। सोमवार सुबह जब दशहरा मैदान में डाक नीलामी शुरू हुई, तो किसानों को उम्मीद थी कि तीन दिन के इंतजार के बाद उनकी फसल बिक जाएगी। लेकिन दोपहर 12:30 बजे ही नीलामी प्रक्रिया रोक दी गई। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना है कि व्यापारियों ने बहुत कम ट्रालियों की नीलामी की है। नियमानुसार नीलामी कम से कम दोपहर 1 बजे तक चलनी चाहिए थी। किसानों ने बताया कि भारी भीड़ के बीच केवल दो कतारों की ही बोली लग सकी, जबकि सैकड़ों ट्रैक्टरों का नंबर ही नहीं आया। भीषण धूप और गर्मी के बीच अपनी उपज की सुरक्षा कर रहे किसानों ने मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। किसानों का कहना है कि जब हजारों की संख्या में किसान तीन-तीन दिनों से मंडी में पड़े हैं, तो नीलामी में किसी भी प्रकार का अवकाश या समय की कटौती नहीं होनी चाहिए। फसल वापस घर ले जाना सुरक्षा की दृष्टि से संभव नहीं है, और मैदान में भी खुले में फसल रखना जोखिम भरा है। मैदान में गेहूं की बोली फिलहाल 2400 रुपये से 2700 रुपये प्रति क्विंटल के बीच लग रही है। जिन किसानों की डाक नीलामी हो गई, वे अपनी फसल की अच्छी गुणवत्ता के कारण मिले भाव से संतुष्ट नजर आए। कई किसानों ने शिकायत की कि इस बार गेहूं के भाव पिछले वर्ष की तुलना में कुछ कम मिल रहे हैं, जिससे उनकी लागत निकालना मुश्किल हो रहा है। दशहरा मैदान में अपनी बारी का इंतजार कर रहे किसानों को कड़ी धूप का सामना करना पड़ रहा है। पीने के पानी और छाया की उचित व्यवस्था न होने से किसान परेशान हैं।

40 सालों से उजाड़ पड़े ट्रांसपोर्ट नगर में चोरों का आतंक

गुना। 40 सालों से आबाद होने का इंतजार कर रहे ट्रांसपोर्ट नगर में इन दिनों चोर और बदमाशों ने अपना ठिकाना बना लिया है। जिसके चलते वाहन मालिकों और चालकों के बीच भारी आक्रोश और भय का माहौल है। अज्ञात बदमाशों ने प्रशासन द्वारा निर्धारित सुरक्षित पार्किंग क्षेत्र में खड़े ट्रकों को निशाना बनाते हुए कीमती सामान की चोरी को अंजाम दिया है। इस घटना ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस गश्त पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, ट्रक मालिक जावेद खान और बृजेश राठौर ने कैंट थाने में आवेदन देकर चोरी की जानकारी दी है। बताया गया है कि ट्रक क्रमांक एमपी 09 एचजी 7899 और एमपी 08 जेड ई 3303 को बीती 21 मार्च को पार्किंग क्षेत्र में खड़ा किया गया था। सोमवार 23 मार्च की सुबह जब मालिक अपने वाहनों के पास पहुंचे, तो उनके होश उड़ गए। बदमाशों ने ट्रकों से बैटरी और मरम्मत से जुड़ा अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया था। हालांकि एक ट्रक से बैटरी ले जाने में बदमाश असफल रहे। चोरी की यह घटना रात्रि करीब 1 बजे की बताई जा रही है। ट्रक मालिकों का कहना है कि ट्रांसपोर्ट नगर जैसे व्यावसायिक क्षेत्र में जहाँ करोड़ों के वाहन खड़े होते हैं, वहाँ सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। क्षेत्र के लोगों और वाहन मालिकों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि यहाँ रात के समय अज्ञात और संदिग्ध बदमाश खुलेआम घूमते रहते हैं। कई असामाजिक तत्व यहाँ शराब पीने के लिए जमा होते हैं, जिससे असुरक्षा का माहौल बना रहता है। क्षेत्र में पुलिस की नियमित गश्त न होने के कारण बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। पीड़ित ट्रक मालिकों ने कैंट पुलिस से मांग की है कि क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जाए और बदमाशों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। साथ ही, ट्रांसपोर्ट नगर में पुलिस चौकी या नियमित गश्त की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील की गई है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके।

बैठक | सीएम हेल्पलाइन में 95 प्रतिशत लक्ष्य जरूरी, नरवाई जलाने वालों पर होगी सख्ती

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई साप्ताहिक टीएल बैठक

नवभारत न्यूज

गुना। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर अखिलेश जैन सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान जिले में संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं, आगामी त्योहारों की व्यवस्थाओं और विभागीय कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर कन्याल ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का निराकरण संतुष्टिपूर्ण ढंग से किया जाए और 95 प्रतिशत लक्ष्य अनिवार्य रूप से प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि समय-सीमा के लंबित प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। बैठक में स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से चलाए जा रहे एचपीवी वैक्सीन टीकाकरण अभियान पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक ब्लॉक में न्यूनतम 100 बच्चों के टीकाकरण का लक्ष्य बनाकर अभियान को तेज किया जाए। मंडियों में गेहूं की बंपर आवक को देखते हुए कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों पर किसानों के लिए पेयजल, टेंट, सुरक्षा और पंजीयन की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

साथ ही गेहूं के भौतिक सत्यापन को पूरी पारदर्शिता से करने को कहा। ग्रीष्म ऋतु की आहट को देखते हुए संभावित जल संकट और अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

नरवाई पर जुमार्ना

त्योहारों के मद्देनजर धार्मिक स्थलों पर वॉलिंटियर्स की तैनाती और आवश्यक सुरक्षा प्रबंध करने के निर्देश दिए गए। वहीं, खेतों में नरवाई (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं पर कलेक्टर ने सख्त रुख अख्तियार करते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं पर तत्काल कार्रवाई की जाए और दोषियों पर जुमार्ना लगाया जाए।

यह भी दिए निर्देश

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के प्रकरण स्वीकृत कर निराकृत किए जाएं। जनगणना कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित क्षेत्रों में कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। संकल्प से समाधान अभियान के तहत प्राप्त होने वाली शिकायतों का निपटारा सुनिश्चित किया जाए।

बजरंगगढ़ मेला हादसा : लापरवाही बरतने वाले झूला संचालक पर एफआईआर दर्ज

गुना। जिले के सुप्रसिद्ध बीस भुजा देवी मंदिर परिसर में आयोजित मेले में रविवार को हुए 'मिक्की माउस' झूला हादसे के बाद पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। बच्चों की जान जोखिम में डालने और सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने के मामले में बजरंगगढ़ थाना पुलिस ने झूला संचालक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। हादसे का शिकार हुए बालक आशुतोष की मां संगीता शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की है। पुलिस ने झूला संचालक अमन खान के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 125(ए) के तहत लापरवाही और सुरक्षा की अनदेखी करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि मेले में लगे अन्य झूलों के पास वैध अनुमति और सुरक्षा प्रमाण पत्र हैं या नहीं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अशोकनगर जिले के शाढ़ौरा निवासी नरेंद्र शर्मा अपने परिवार और पड़ोसियों के साथ माता के दर्शन करने बजरंगगढ़ आए थे। दर्शन के बाद बच्चे मेले का आनंद ले रहे थे, तभी मिक्की माउस झूला अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। इस अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने बच्चों को बचाने के लिए दौड़ पड़े। नरेंद्र शर्मा के पुत्र आशुतोष को शरीर के संवेदनशील हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं, जिसे तुरंत जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति पर निगरानी रखी जा रही है।

घर में सोती रही पत्नी और बच्चे, पति ने लगाई फांसी

गुना। कैंट थाना क्षेत्र के बमोरी बुजुर्ग गांव में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां 45 वर्षीय व्यक्ति ने अज्ञात कारणों के चलते अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना उस वक्त हुई जब मृतक की पत्नी और बच्चे गहरी नींद में सो रहे थे। जानकारी के अनुसार, बमोरी बुजुर्ग निवासी बाबूलाल लोधा उम्र 45 वर्ष पेशे से मिस्त्री का काम करते थे, रविवार रात रोज की तरह काम से घर लौटे थे। उनकी पत्नी भी दिनभर गेहूं की फसल काटकर वापस आई थीं। रात में जब परिवार के सभी सदस्य सो गए, तब बाबूलाल ने कमरे में लगे लोहे के एंगल से तौलिये का फंदा बनाया और उस पर लटक गए। सोमवार सुबह करीब 6 बजे जब पत्नी और बच्चों की आंख खुली, तो कमरे के अंदर बाबूलाल का शव फंदे से लटकता देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। घर में चीख-पुकार मचने के बाद आसपास के लोग जमा हो गए और तुरंत स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारा और अपने ही वाहन से जिला अस्पताल लेकर आई।